

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN22686	ImageGroup:	I3CN22690
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ལྷ་པ་ཆེན་པོའི་རྣམ་ཐར་དུ་ཀུ་ལའི་གོས་བཟང་གི་འཕྲོ་མཐུད་དང་དོན་བསྟུས། Inga pa chen po'i rnam thar du kU la'i gos bzang gi 'phro mthud dang don bsdus/
Author:	སངས་རྒྱས་རྒྱ་མཚོ། sangs rgyas rgya mtsho/
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	3
Total Volumes:	4
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2020

[illegible]

1950 年 10 月 1 日 起 至 1950 年 10 月 31 日 止

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

9-10

[illegible]

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

॥

[The following text is extremely faded and largely illegible. It appears to consist of several lines of handwritten or printed script in Devanagari.]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
 मामका पांडवयोश्चैव पराक्रमी
 धनुर्विदो महेष्वाहा महाबलवान्
 भीमप्रहारा इति श्रुत्वा पांडवः
 संपन्नो वीर्यशाली प्रह्लादसुतः
 सुहृद्भिरनुसृतो द्रुपदमुनिपुत्रम्
 उवाच ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिः प्रवक्ष्यामीति श्रुत्वा
 तदा ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 २ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ४ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ६ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ७ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ८ ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 ९ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 १० ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे भगवत्पश्यन् कुरुजित्वायुधैः सह ॥ संवाक्यं ब्रह्मविद्यां श्रुत्वा ॥
 अर्जुनो ब्रह्मविद्यां श्रुत्वा भगवत्पश्यन् ॥ कुरुक्षेत्रे समवेत् संजय उवाच ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ४ ॥ पाण्डव उवाच ॥ ५ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ १० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ११ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ १२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १३ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १५ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ १६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १७ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ १८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १९ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २१ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ २२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २३ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ २४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २५ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २७ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ २८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २९ ॥
 भगवन् पाण्डव उवाच ॥ ३० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे शूराध्याये ॥

शूराध्याये ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥

द्रुपद उवाच ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्हस्तिनापुरात्प्रसीदन् ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
कीर्यमाना विराट्कुन्तिभोज ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
अथ द्रोण उवाच ॥ पाण्डवस्य ते ह्यश्वमेधविधिः ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥
यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥
यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥
यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥
यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥
यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥ यथा शूरा बलवान्पाण्डवस्तथा ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

ཐེག་གུངས་ཀལ་ཆད།

missing page 15ff

[illegible]

Main body of handwritten text, likely a historical document or manuscript, written in a cursive script. The text is densely packed and spans most of the page width.

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि । पाण्डव उवाच । द्रुपदो वीर्यवान् । भीमसेनश्च सुधनुर्वरः । सह बभूवुर्बल्यवान् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten notes from the previous page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

154. *[Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a series of handwritten notes or a ledger entry.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a long passage of handwritten text, possibly in Devanagari script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this section is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥ तस्मात्तवाक्यं शृत्वा मेरादौ विविक्षन्त ॥ १ ॥

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1990-1991

109

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

३३। अथैवापि योऽहं ब्रूयामास्येति चेत्तदा तत्रापि न भवति । अथैवापि योऽहं ब्रूयामास्येति चेत्तदा तत्रापि न भवति । अथैवापि योऽहं ब्रूयामास्येति चेत्तदा तत्रापि न भवति ।

[The text in this image is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः ॥
तव शिष्योऽहं बभूवुः ॥ त्वत्पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥
तव पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥ तव पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥
तव पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥ तव पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥
तव पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥ तव पादौश्रितोऽस्मिन्निमित्ते ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे संभवत्पुनश्चाह्मरुद्रोऽस्माकम् । विराट्पुत्रस्तथाकुन्तिभोजसहितम् ॥
 धर्मध्वजाग्रतस्तु तव प्रहारात्प्रभङ्गितम् । सौमेयस्यैव हारिणोऽप्यहो भवत्प्रभुः ॥
 शूरा महेष्वाहा इव हि वीर्यवानश्वजम् । बलान्निर्यातास्तव पादाब्जैः सह ॥
 सुहृद्भिर्विलोक्य तव पादाब्जे स्तमितम् । अर्जुनस्यैव तव पादाब्जे स्तमितम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहो भवत्पादाब्जे स्तमितम् । अर्जुनस्यैव तव पादाब्जे स्तमितम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अहो भवत्पादाब्जे स्तमितम् । अर्जुनस्यैव तव पादाब्जे स्तमितम् ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां श्रोतव्यं त्वैष कुरुक्षेत्रे समवेत्
 त्वासां विप्रसंगतः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण-
 उत्तराचार्य उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता संजनाः ॥
 सँवितानि मां कुरुस्त्री महाबाहो योद्धवः ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन तूष्णीं बभूवुषः सर्वदा ॥
 पाशेन बाधयित्वा स्वयं देवैर्युद्धे ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ महारथी कुरुक्षेत्रे ॥
 वीर्यवान् महाबाहो योद्धवः ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a historical document or manuscript.)

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

२१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
काँश्चित्तानि गोपनिषन्ति मामाज्ञायमानः । शूरा महेष्वा-
ना इह त्वां प्रपद्यन्ते । त्वया दत्तं धनुर्विद्यां प्रसादयेत् ।
तस्मात्प्रसादात्तु योऽभ्यसितवान् । तेषामस्त्वहं हृदि
स्थितिं विद्धि । तेषां च त्वां वन्दन्तीति । तेषां च त्वां वन्दन्तीति ।
तेषां च त्वां वन्दन्तीति । तेषां च त्वां वन्दन्तीति । तेषां च त्वां वन्दन्तीति ।

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a multi-line inscription in Devanagari script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच ।
 भीम उवाच ।
 धर्म उवाच ।
 शल्य उवाच ।
 कृपा उवाच ।
 साध्वी उवाच ।
 जैमिनी उवाच ।
 अश्वत्थाम उवाच ।
 अर्जुन उवाच ।
 श्रीकृष्ण उवाच ।

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the low resolution and age of the document, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादाः ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां मया ॥
 पाश्र्वपातकं करिष्ये ह्यसौ महामुनेः
 शिष्यश्चात्मकमयो नित्यो न संतरात् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

2024

विद्यया यत्किंचिदप्युच्यते तत्तुल्यं

[illegible]

सुषुप्तिरवस्थाः ५।

(Faint handwritten Devanagari script)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

देवदत्त शर्मा

2009 04 05 05 54 58 PM C1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

44-38861-351

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script across the top margin]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संयोजक

1954-55 1955-56

[The text in this block is extremely faint and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः ॥ त्वत्पुत्रो मे सुहृन्मया
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Page 1

1997

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Pali script arranged in approximately five horizontal rows.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of Sanskrit or Hindi verses arranged in approximately four horizontal rows.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading or damage to the original document. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

291

10/27/2017

अनुसूचित जाति आरक्षण

THE UNIVERSITY OF MICHIGAN LIBRARY

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

[illegible]

3. The following are the main reasons for the failure of the project:

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1. 1. The first part of the paper is a review of the literature on the effects of the 1997 Asian financial crisis on the economies of the Asian countries.

[illegible]

R24

[illegible]

[illegible]

॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहमस्मि त्वदीये पादोत्तरे । मयाैवमेव संचितं कुरुते वियोगः ।
उवाच । द्रुपदः । कुरुक्षेत्रे संभवन् नानाभ्युद्यताः । साधुनां च विप्र-
णाशनेषु महाबाहो रणे । अस्माकं पश्यैष विश्वकर्मा जित् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहमस्मि त्वदीये पादोत्तरे । मयाैवमेव संचितं कुरुते वियोगः ।
उवाच । द्रुपदः । कुरुक्षेत्रे संभवन् नानाभ्युद्यताः । साधुनां च विप्र-
णाशनेषु महाबाहो रणे । अस्माकं पश्यैष विश्वकर्मा जित् ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महाशूरा वीर्यवान् ।
 तस्मात्तु मे ब्रूहि यद्यथा शृण्वन्मया श्रुतम् ।
 किमेतद्भविष्यति युद्धे महामुखाय मे ॥

[illegible]

॥ अथ शिवसूक्तम् ॥
शिवोऽयं देव इन्द्राग्नेर्यजमानोऽपि
अथ शिवसूक्तम् ॥
शिवोऽयं देव इन्द्राग्नेर्यजमानोऽपि

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

9
[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed text.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

3109

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे भद्रा युधिष्ठिर ! त्वत्पुत्रः शूराग्रस्तमात्मना वीर्यवान् ।
 धर्मायै संवत्सरेणास्मिन् महायुद्धे प्राणमुत्तमं हविष्यति ॥ १ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ अहो महामुनि ! त्वत्पुत्रो जितवीर्यवान् ।
 स हि पाण्डवंशे परमेश्वरः सर्वभूतहिते रतः ॥ २ ॥
 तदा शूराग्रस्तमात्मना वीर्यवान् । स हि पाण्डवंशे परमेश्वरः ॥
 सर्वभूतहिते रतः ॥ ३ ॥

[illegible]

21

Figure 1

[illegible]

[illegible]

1900-1901

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत साज्जय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये षष्ठः स्कन्धः ।
 १ । द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवम् ॥
 २ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ३ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ४ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ५ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ६ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ७ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ८ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 ९ । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥
 १० । अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुराज्यं पाण्डुपुत्रो विहाय । पाण्डुपुत्रो विहाय पाण्डुपुत्रो विहाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12/25/21

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीनारायणे नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीसूर्याय नमः ॥ श्रीचंद्राय नमः ॥ श्रीशुक्राय नमः ॥ श्रीमङ्गलाय नमः ॥ श्रीशान्त्याय नमः ॥ श्रीवैद्यनाथाय नमः ॥ श्रीजगन्नाथाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

১৯৭৭-৭৮

[illegible]

(Faint handwritten notes at the bottom of the page)

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint, illegible handwritten text]

विषय सूची

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा ।
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
 मामकाश्च पांडवाश्चैव कीरणाः ।
 संचराद्युद्धमाधुना संभवेत्तदा ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ।
 मामकाश्च पांडवाश्चैव कीरणाः ।
 संचराद्युद्धमाधुना संभवेत्तदा ।
 ॥ १ ॥

[The following text is extremely faded and largely illegible. It appears to be a collection of names or titles arranged in rows.]

[The page contains several lines of handwritten Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the leaf. The text is mostly illegible due to fading and overlapping.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following section contains several lines of extremely faint, mostly illegible handwritten text.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

[illegible]

[The following section contains several lines of handwritten Devanagari script, which appears to be bleed-through from the reverse side of the page.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading or damage to the original document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामाह्वयन्मया ॥ ४ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense block of handwritten or printed text.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र ॥
 १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीवः ॥
 २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॥ श्रीरामाय नमः ॥
 ॥ श्रीसूर्याय नमः ॥
 ॥ श्रीशिवाय नमः ॥
 ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥
 ॥ श्रीविष्णुय नमः ॥
 ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥
 ॥ श्रीमहादेवाय नमः ॥
 ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीपितृभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीमनोभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीश्रद्धाभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीधर्मभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीसत्यभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीअहिंसाभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीदयाभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीकरुणाभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीमोक्षभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । श्रीगणेशाय नमः ।
 विष्णुं त्रिमूर्तेश्वरं सत्त्विकं शशिधरम् ।
 विष्णुं त्रिनेत्रं त्रिलोक्येश्वरं त्रिशूलधारिणम् ।
 विष्णुं त्रिवेणीश्वरं त्रिरूपं त्रिसङ्ख्यार्थप्रदायकम् ।
 विष्णुं त्रिभुवनेश्वरं त्रिपञ्चाननं त्रिदशमुखम् ।
 विष्णुं त्रिजगद्गुरुं त्रिपरब्रह्मं त्रिपुरारोहिणम् ।
 विष्णुं त्रिस्तम्भेश्वरं त्रिस्वर्गेश्वरं त्रिभुवनेश्वरम् ।
 विष्णुं त्रिपादाक्षरं त्रिपदाक्षरं त्रिपदाक्षरम् ।
 विष्णुं त्रिपदाक्षरं त्रिपदाक्षरं त्रिपदाक्षरम् ।
 विष्णुं त्रिपदाक्षरं त्रिपदाक्षरं त्रिपदाक्षरम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन्मया
 तस्मात्सर्वदुःखहर्त्राणां कामधेनुमुपासीत ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

१। सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा। वसन्तपुष्पास्तथा। यदेतेर्दृष्टं तस्मात्तदेवार्थम्। अथवा विवेक्या नरकाया रसाक्षुद्रा। अथवा सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा।
 २। सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा। वसन्तपुष्पास्तथा। यदेतेर्दृष्टं तस्मात्तदेवार्थम्। अथवा विवेक्या नरकाया रसाक्षुद्रा। अथवा सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा।
 ३। सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा। वसन्तपुष्पास्तथा। यदेतेर्दृष्टं तस्मात्तदेवार्थम्। अथवा विवेक्या नरकाया रसाक्षुद्रा। अथवा सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा।
 ४। सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा। वसन्तपुष्पास्तथा। यदेतेर्दृष्टं तस्मात्तदेवार्थम्। अथवा विवेक्या नरकाया रसाक्षुद्रा। अथवा सुमेधया धीमताः सवित्र्या रसाक्षुद्रास्तथा।

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense Sanskrit manuscript page.]

[The following text is extremely faint and mostly illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a multi-line manuscript entry.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

1. 1997-1998

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०१
 १०२
 १०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामका पाण्डवाश्चैव ततः परः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥ यथा ब्रह्मविद्यायां योगयोगो भवत्येवमुक्तम् ॥
॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥ यथा ब्रह्मविद्यायां योगयोगो भवत्येवमुक्तम् ॥
॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥ यथा ब्रह्मविद्यायां योगयोगो भवत्येवमुक्तम् ॥
॥ अथ चतुर्थः प्रश्नः ॥ यथा ब्रह्मविद्यायां योगयोगो भवत्येवमुक्तम् ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

१००
 १०१
 १०२
 १०३
 १०४
 १०५
 १०६
 १०७
 १०८
 १०९
 ११०
 १११
 ११२
 ११३
 ११४
 ११५
 ११६
 ११७
 ११८
 ११९
 १२०
 १२१
 १२२
 १२३
 १२४
 १२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ११ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २१ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a single paragraph of handwritten or printed text.]

391

४०। अथ यथाशक्तिः पञ्चमोऽङ्कः । अथ यथाशक्तिः पञ्चमोऽङ्कः । अथ यथाशक्तिः पञ्चमोऽङ्कः । अथ यथाशक्तिः पञ्चमोऽङ्कः । अथ यथाशक्तिः पञ्चमोऽङ्कः ।

... १ ...

... २ ...

... ३ ...

... ४ ...

... ५ ...

... ६ ...

... ७ ...

... ८ ...

... ९ ...

... १० ...

... ११ ...

... १२ ...

... १३ ...

... १४ ...

... १५ ...

... १६ ...

... १७ ...

... १८ ...

... १९ ...

... २० ...

... २१ ...

... २२ ...

... २३ ...

... २४ ...

... २५ ...

... २६ ...

... २७ ...

... २८ ...

... २९ ...

... ३० ...

... ३१ ...

... ३२ ...

... ३३ ...

... ३४ ...

... ३५ ...

... ३६ ...

... ३७ ...

... ३८ ...

... ३९ ...

... ४० ...

... ४१ ...

... ४२ ...

... ४३ ...

... ४४ ...

... ४५ ...

... ४६ ...

... ४७ ...

... ४८ ...

... ४९ ...

... ५० ...

... ५१ ...

... ५२ ...

... ५३ ...

... ५४ ...

... ५५ ...

... ५६ ...

... ५७ ...

... ५८ ...

... ५९ ...

... ६० ...

... ६१ ...

... ६२ ...

... ६३ ...

... ६४ ...

... ६५ ...

... ६६ ...

... ६७ ...

... ६८ ...

... ६९ ...

... ७० ...

... ७१ ...

... ७२ ...

... ७३ ...

... ७४ ...

... ७५ ...

... ७६ ...

... ७७ ...

... ७८ ...

... ७९ ...

... ८० ...

... ८१ ...

... ८२ ...

... ८३ ...

... ८४ ...

... ८५ ...

... ८६ ...

... ८७ ...

... ८८ ...

... ८९ ...

... ९० ...

... ९१ ...

... ९२ ...

... ९३ ...

... ९४ ...

... ९५ ...

... ९६ ...

... ९७ ...

... ९८ ...

... ९९ ...

... १०० ...

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed text.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ३ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
मां संन्यस्ताः तु यमौघे बभूवुः ॥ ४ ॥ सौमेधिवान् पाण्डवस्यैव तनुमानसः ॥ ५ ॥
द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ ७ ॥ मां संन्यस्ताः तु यमौघे बभूवुः ॥ ८ ॥
सौमेधिवान् पाण्डवस्यैव तनुमानसः ॥ ९ ॥ द्रुपद उवाच ॥ १० ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
समवेता युयुतसः ॥ ११ ॥ मां संन्यस्ताः तु यमौघे बभूवुः ॥ १२ ॥ सौमेधिवान् पाण्डवस्यैव
तनुमानसः ॥ १३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ १४ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ १५ ॥
मां संन्यस्ताः तु यमौघे बभूवुः ॥ १६ ॥ सौमेधिवान् पाण्डवस्यैव तनुमानसः ॥ १७ ॥
द्रुपद उवाच ॥ १८ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ १९ ॥ मां संन्यस्ताः तु यमौघे
बभूवुः ॥ २० ॥ सौमेधिवान् पाण्डवस्यैव तनुमानसः ॥ २१ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

231

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 द्रष्टव्यं तत्रैव विद्यमानं । इति श्रीमद्भगवत्गीतायाः अष्टाध्याये षष्ठोऽध्यायः ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following section contains extremely faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side or very light ink.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed text.]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ चत्वारिंशद्वर्षाब्देऽप्युक्तं ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ पञ्चमोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ षष्ठोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ सप्तमोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ अष्टमोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ नवमोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ दशमोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ एकादशोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ द्वादशोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ त्रयोविंशोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ चत्वारिंशोऽध्यायः ॥ तदा राजा यथावत् ॥
 ॥ अथ पञ्चाशद्वर्षाब्देऽप्युक्तं ॥ तदा राजा यथावत् ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

83. *[Faint, mostly illegible handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

७३१

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to the quality of the scan.]

१२३४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्तः मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
भार्याह्वयः पश्यैष महाबाहो द्रुपदपुत्रकृतम् ।
अथ तस्मात्प्राप्त्यर्थाय यत्किञ्चित्करिष्ये हि मे ।
अथैवमुवाच श्रीकृष्णः । अद्य द्रोणमुपासीत ।
द्रोण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्तः मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
भार्याह्वयः पश्यैष महाबाहो द्रुपदपुत्रकृतम् ।
अथ तस्मात्प्राप्त्यर्थाय यत्किञ्चित्करिष्ये हि मे ।

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ॥
 १ ॥ कुरुक्षेत्रे युद्धे आसीत् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 २ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
 ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 महाबाहो न शोक्यते धर्मविजये क्षणेन ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 महाबाहो न शोक्यते धर्मविजये क्षणेन ।

[illegible]

ཐེབ་གྲངས་ ༢༢༧་ཆད།

missing page 229ff

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a single line of handwritten or printed text.]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादाः ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात् ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद मुनिर्वाक्यं ब्रूयात् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद मुनिर्वाक्यं ब्रूयात् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद मुनिर्वाक्यं ब्रूयात् ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धस्य प्रारम्भः ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ॥
 महाबाहो बलवान् शूरा महेष्वाहा ॥
 त्वत्पुत्रस्तथा भीमार्जुनसमा ॥
 धर्मधनुर्धरो वीर्यवान् ॥
 युधिष्ठिराद्रियुक्ताः पाण्डवाश्चैव तदा ॥
 कौरवाश्चैव किमकुर्वत रणे ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ॥
 महाबाहो बलवान् शूरा महेष्वाहा ॥
 त्वत्पुत्रस्तथा भीमार्जुनसमा ॥
 धर्मधनुर्धरो वीर्यवान् ॥
 युधिष्ठिराद्रियुक्ताः पाण्डवाश्चैव तदा ॥
 कौरवाश्चैव किमकुर्वत रणे ॥

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical document or manuscript.)

[illegible]

[illegible]

9/3/99

[illegible]

ཡུལ་དེ་ལྟར་ཤུགས་ཤིག་ལ་འཁྱུག་པའི་ལོ་རྒྱུས་ལྟར་གྲུབ་པའི་ལོ་རྒྱུས་ལྟར་

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint, illegible handwritten text across the page]

[illegible]

| |
|--------|
| 1990 | 1991 | 1992 | 1993 | 1994 | 1995 | 1996 | 1997 | 1998 | 1999 | 2000 | 2001 | 2002 | 2003 | 2004 | 2005 | 2006 | 2007 | 2008 | 2009 | 2010 | 2011 | 2012 | 2013 | 2014 | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | 2020 | 2021 | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 | 2028 | 2029 | 2030 | 2031 | 2032 | 2033 | 2034 | 2035 | 2036 | 2037 | 2038 | 2039 | 2040 | 2041 | 2042 | 2043 | 2044 | 2045 | 2046 | 2047 | 2048 | 2049 | 2050 | 2051 | 2052 | 2053 | 2054 | 2055 | 2056 | 2057 | 2058 | 2059 | 2060 | 2061 | 2062 | 2063 | 2064 | 2065 | 2066 | 2067 | 2068 | 2069 | 2070 | 2071 | 2072 | 2073 | 2074 | 2075 | 2076 | 2077 | 2078 | 2079 | 2080 | 2081 | 2082 | 2083 | 2084 | 2085 | 2086 | 2087 | 2088 | 2089 | 2090 | 2091 | 2092 | 2093 | 2094 | 2095 | 2096 | 2097 | 2098 | 2099 | 2100 | 2101 | 2102 | 2103 | 2104 | 2105 | 2106 | 2107 | 2108 | 2109 | 2110 | 2111 | 2112 | 2113 | 2114 | 2115 | 2116 | 2117 | 2118 | 2119 | 2120 | 2121 | 2122 | 2123 | 2124 | 2125 | 2126 | 2127 | 2128 | 2129 | 2130 | 2131 | 2132 | 2133 | 2134 | 2135 | 2136 | 2137 | 2138 | 2139 | 2140 | 2141 | 2142 | 2143 | 2144 | 2145 | 2146 | 2147 | 2148 | 2149 | 2150 | 2151 | 2152 | 2153 | 2154 | 2155 | 2156 | 2157 | 2158 | 2159 | 2160 | 2161 | 2162 | 2163 | 2164 | 2165 | 2166 | 2167 | 2168 | 2169 | 2170 | 2171 | 2172 | 2173 | 2174 | 2175 | 2176 | 2177 | 2178 | 2179 | 2180 | 2181 | 2182 | 2183 | 2184 | 2185 | 2186 | 2187 | 2188 | 2189 | 2190 | 2191 | 2192 | 2193 | 2194 | 2195 | 2196 | 2197 | 2198 | 2199 | 2200 | 2201 | 2202 | 2203 | 2204 | 2205 | 2206 | 2207 | 2208 | 2209 | 2210 | 2211 | 2212 | 2213 | 2214 | 2215 | 2216 | 2217 | 2218 | 2219 | 2220 | 2221 | 2222 | 2223 | 2224 | 2225 | 2226 | 2227 | 2228 | 2229 | 2230 | 2231 | 2232 | 2233 | 2234 | 2235 | 2236 | 2237 | 2238 | 2239 | 2240 | 2241 | 2242 | 2243 | 2244 | 2245 | 2246 | 2247 | 2248 | 2249 | 2250 | 2251 | 2252 | 2253 | 2254 | 2255 | 2256 | 2257 | 2258 | 2259 | 2260 | 2261 | 2262 | 2263 | 2264 | 2265 | 2266 | 2267 | 2268 | 2269 | 2270 | 2271 | 2272 | 2273 | 2274 | 2275 | 2276 | 2277 | 2278 | 2279 | 2280 | 2281 | 2282 | 2283 | 2284 | 2285 | 2286 | 2287 | 2288 | 2289 | 2290 | 2291 | 2292 | 2293 | 2294 | 2295 | 2296 | 2297 | 2298 | 2299 | 2300 | 2301 | 2302 | 2303 | 2304 | 2305 | 2306 | 2307 | 2308 | 2309 | 2310 | 2311 | 2312 | 2313 | 2314 | 2315 | 2316 | 2317 | 2318 | 2319 | 2320 | 2321 | 2322 | 2323 | 2324 | 2325 | 2326 | 2327 | 2328 | 2329 | 2330 | 2331 | 2332 | 2333 | 2334 | 2335 | 2336 | 2337 | 2338 | 2339 | 2340 | 2341 | 2342 | 2343 | 2344 | 2345 | 2346 | 2347 | 2348 | 2349 | 2350 | 2351 | 2352 | 2353 | 2354 | 2355 | 2356 | 2357 | 2358 | 2359 | 2360 | 2361 | 2362 | 2363 | 2364 | 2365 | 2366 | 2367 | 2368 | 2369 | 2370 | 2371 | 2372 | 2373 | 2374 | 2375 | 2376 | 2377 | 2378 | 2379 | 2380 | 2381 | 2382 | 2383 | 2384 | 2385 | 2386 | 2387 | 2388 | 2389 | 2390 | 2391 | 2392 | 2393 | 2394 | 2395 | 2396 | 2397 | 2398</ |
|--------|

2. பெரிய அளவு பருவப்பெருக்கம் - பருவப்பெருக்கம் பெரிய அளவு

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धस्य प्रारम्भः ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ कुरुक्षेत्रे संस्थिताः
 परस्परं व्यूढास्तदा द्रुपद उवाच ॥
 पाण्डवैर्बलवान्शुक्र उवाच ॥ २ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पाण्डवश्चैतानि त्वामयाचरेत् ॥
 सौमेन्द्र उवाच ॥ ३ ॥
 पाण्डवो जयन्ति मामकाः ॥ ४ ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script, possibly in Devanagari.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous paragraph of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ।
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच ॥
 पाण्डुरामो बभूवुध्नौ शूरो जयद्रथसेन ।
 भीमार्जुनसमा युधि युष्टो धन्वञ्जयो विभक्त ।
 इन्द्राय च तिर्यगे च सारथ्यं द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ।
 मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ।
 आचार्यमुपसंगम्य राजा वीरार्जुन उवाच ॥
 पाण्डुरामो बभूवुध्नौ शूरो जयद्रथसेन ।
 भीमार्जुनसमा युधि युष्टो धन्वञ्जयो विभक्त ।
 इन्द्राय च तिर्यगे च सारथ्यं द्रुपद उवाच ॥

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a multi-line manuscript entry.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 गच्छामि युद्धभूमिम् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सदा ॥
 जनार्दन मया पूजा इत्येवमब्रवीत्तदा ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical record or inventory.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२३१
[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a historical or administrative context, but the specific details cannot be discerned.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed text.]

[illegible]

१०॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

॥ अथ भक्त्यारविर्भवेत् ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अध्यायः प्रथमः ॥ ॥ अथ भक्त्यारविर्भवेत् ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अध्यायः प्रथमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The page contains dense handwritten Devanagari script.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a series of Sanskrit or Hindi script entries arranged in rows.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९१००१०११०२१०३१०४१०५१०६१०७१०८१०९११०१११११२११३११४११५११६११७११८११९१२०१२११२२१२३१२४१२५१२६१२७१२८१२९१३०१३१३२१३३१३४१३५१३६१३७१३८१३९१४०१४११४२१४३१४४१४५१४६१४७१४८१४९१५०१५११५२१५३१५४१५५१५६१५७१५८१५९१६०१६११६२१६३१६४१६५१६६१६७१६८१६९१७०१७११७२१७३१७४१७५१७६१७७१७८१७९१८०१८११८२१८३१८४१८५१८६१८७१८८१८९१९०१९११९२१९३१९४१९५१९६१९७१९८१९९२००२०१२०२२०३२०४२०५२०६२०७२०८२०९२१०२११२१२२२१२३२१२४२१२५२१२६२१२७२१२८२१२९२१३०२१३१२१३२२१३३२१३४२१३५२१३६२१३७२१३८२१३९२१४०२१४१२१४२२१४३२१४४२१४५२१४६२१४७२१४८२१४९२१५०२१५१२१५२२१५३२१५४२१५५२१५६२१५७२१५८२१५९२१६०२१६१२१६२२१६३२१६४२१६५२१६६२१६७२१६८२१६९२१७०२१७१२१७२२१७३२१७४२१७५२१७६२१७७२१७८२१७९२१८०२१८१२१८२२१८३२१८४२१८५२१८६२१८७२१८८२१८९२१९०२१९१२१९२२१९३२१९४२१९५२१९६२१९७२१९८२१९९२२००२२०१२२०२२२०३२२०४२२०५२२०६२२०७२२०८२२०९२२१०२२११२२१२२२२१२३२२१२४२२१२५२२१२६२२१२७२२१२८२२१२९२२१३०२२१३१२१३२२१३३२२१३४२२१३५२२१३६२२१३७२२१३८२२१३९२२१४०२२१४१२१४२२१४३२२१४४२२१४५२२१४६२२१४७२२१४८२२१४९२२१५०२२१५१२१५२२१५३२२१५४२२१५५२२१५६२२१५७२२१५८२२१५९२२१६०२२१६१२१६२२१६३२२१६४२२१६५२२१६६२२१६७२२१६८२२१६९२२१७०२२१७१२१७२२१७३२२१७४२२१७५२२१७६२२१७७२२१७८२२१७९२२१८०२२१८१२१८२२१८३२२१८४२२१८५२२१८६२२१८७२२१८८२२१८९२२१९०२२१९१२१९२२१९३२२१९४२२१९५२२१९६२२१९७२२१९८२२१९९२२२००२२२०१२२२०२२२२०३२२२०४२२२०५२२२०६२२२०७२२२०८२२२०९२२२१०२२२११२२२१२२२२१२३२२२१२४२२२१२५२२२१२६२२२१२७२२२१२८२२२१२९२२२१३०२२२१३१२२१३२२२१३३२२२१३४२२२१३५२२२१३६२२२१३७२२२१३८२२२१३९२२२१४०२२२१४१२२१४२२२१४३२२२१४४२२२१४५२२२१४६२२२१४७२२२१४८२२२१४९२२२१५०२२२१५१२२१५२२२१५३२२२१५४२२२१५५२२२१५६२२२१५७२२२१५८२२२१५९२२२१६०२२२१६१२२१६२२२१६३२२२१६४२२२१६५२२२१६६२२२१६७२२२१६८२२२१६९२२२१७०२२२१७१२२१७२२२१७३२२२१७४२२२१७५२२२१७६२२२१७७२२२१७८२२२१७९२२२१८०२२२१८१२२१८२२२१८३२२२१८४२२२१८५२२२१८६२२२१८७२२२१८८२२२१८९२२२१९०२२२१९१२२१९२२२१९३२२२१९४२२२१९५२२२१९६२२२१९७२२२१९८२२२१९९२२२२००२२२२०१२२२२०२२२२२०३२२२२०४२२२२०५२२२२०६२२२२०७२२२२०८२२२२०९२२२२१०२२२२११२२२२१२२२२१२३२२२२१२४२२२२१२५२२२२१२६२२२२१२७२२२२१२८२२२२१२९२२२२१३०२२२२१३१२२२१३२२२२१३३२२२२१३४२२२२१३५२२२२१३६२२२२१३७२२२२१३८२२२२१३९२२२२१४०२२२२१४१२२२१४२२२२१४३२२२२१४४२२२२१४५२२२२१४६२२२२१४७२२२२१४८२२२२१४९२२२२१५०२२२

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.)

| |
|-----|
| १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | १८० | १८१ | १८२ | १८३ | १८४ | १८५ | १८६ | १८७ | १८८ | १८९ | १९० | १९१ | १९२ | १९३ | १९४ | १९५ | १९६ | १९७ | १९८ | १९९ | २०० |
| १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | १८० | १८१ | १८२ | १८३ | १८४ | १८५ | १८६ | १८७ | १८८ | १८९ | १९० | १९१ | १९२ | १९३ | १९४ | १९५ | १९६ | १९७ | १९८ | १९९ | २०० |

[The text in this block is extremely faint and illegible.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage. It appears to be a collection of names or titles arranged in rows.]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.)

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

| | | | | | | |
|---|----|----|----|----|----|-----|
| ६ | १०८ | १०९ | ११० | १११ | ११२ | ११३ | ११४ | ११५ | ११६ | ११७ | ११८ | ११९ | १२० | १२१ | १२२ | १२३ | १२४ | १२५ | १२६ | १२७ | १२८ | १२९ | १३० | १३१ | १३२ | १३३ | १३४ | १३५ | १३६ | १३७ | १३८ | १३९ | १४० | १४१ | १४२ | १४३ | १४४ | १४५ | १४६ | १४७ | १४८ | १४९ | १५० | १५१ | १५२ | १५३ | १५४ | १५५ | १५६ | १५७ | १५८ | १५९ | १६० | १६१ | १६२ | १६३ | १६४ | १६५ | १६६ | १६७ | १६८ | १६९ | १७० | १७१ | १७२ | १७३ | १७४ | १७५ | १७६ | १७७ | १७८ | १७९ | १८० | १८१ | १८२ | १८३ | १८४ | १८५ | १८६ | १८७ | १८८ | १८९ | १९० | १९१ | १९२ | १९३ | १९४ | १९५ | १९६ | १९७ | १९८ | १९९ | २०० | | | | | | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a calendar or almanac. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings and what might be small illustrations or symbols interspersed among the lines of text.]

[illegible]

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | १३ | १४ | १५ | १६ | १७ | १८ | १९ | २० | २१ | २२ | २३ | २४ | २५ | २६ | २७ | २८ | २९ | ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script, possibly in Devanagari.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

| |
|-----|
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |
| ३० | ३१ | ३२ | ३३ | ३४ | ३५ | ३६ | ३७ | ३८ | ३९ | ४० | ४१ | ४२ | ४३ | ४४ | ४५ | ४६ | ४७ | ४८ | ४९ | ५० | ५१ | ५२ | ५३ | ५४ | ५५ | ५६ | ५७ | ५८ | ५९ | ६० | ६१ | ६२ | ६३ | ६४ | ६५ | ६६ | ६७ | ६८ | ६९ | ७० | ७१ | ७२ | ७३ | ७४ | ७५ | ७६ | ७७ | ७८ | ७९ | ८० | ८१ | ८२ | ८३ | ८४ | ८५ | ८६ | ८७ | ८८ | ८९ | ९० | ९१ | ९२ | ९३ | ९४ | ९५ | ९६ | ९७ | ९८ | ९९ | १०० |

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The manuscript page contains several lines of handwritten text in Devanagari script, which are heavily faded and difficult to decipher. The text appears to be a historical record or document.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

॥ १०॥
 ॥ ११॥
 ॥ १२॥
 ॥ १३॥
 ॥ १४॥
 ॥ १५॥
 ॥ १६॥
 ॥ १७॥
 ॥ १८॥
 ॥ १९॥
 ॥ २०॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टाध्याये ऋषिर्भगवानुवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 १ ॥ सौमेन्द्र उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 २ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ३ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ४ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ५ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ६ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ७ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ८ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 ९ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 १० ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां मया ॥
 पाशानामाचार्यः प्रोक्तवानहम् ॥
 ब्रह्मविद्यायां श्रीधरमात्मनो ॥
 विप्रश्च शुक उवाच ॥ सुत उवाच ॥
 अर्जुन उवाच ॥

पुस्तक संख्या: १०८
पृष्ठ संख्या: ५४
विषय: अथ श्रीगणेशोपासनायाः प्रथमोऽध्यायः
श्रीगणेशाय नमः
अथ श्रीगणेशोपासनायाः प्रथमोऽध्यायः
श्रीगणेशाय नमः

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring or fading.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a multi-column list or index.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of names and titles, possibly related to the manuscript's contents.]

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to contain several lines of handwritten or printed script, possibly in Devanagari or a similar Indic script.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed text in Devanagari script.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 १। सत्त्वो गुणोऽस्ति त्वं सर्वभूतानां
 २। हृदि स्थितः पश्यसि लोकमात्मनः ॥
 ३। कुरुष्व मे प्रसादात्प्राप्तं फलम् ॥
 ४। त्वं शिवो जगदन्तर्यामी ॥
 ५। त्वं ब्रह्मा त्वं विश्वेन्द्र त्वं महेश्वरः ॥
 ६। त्वं परब्रह्मा त्वं परशिवोऽस्य ॥
 ७। त्वं महाकायः त्वं महाकालः ॥
 ८। त्वं महावीर्यवान् त्वं महाबलवान् ॥
 ९। त्वं महाधर्मवान् त्वं महाप्रज्ञवान् ॥
 १०। त्वं महाशक्तिमान् त्वं महाशूरमान् ॥
 ११। त्वं महासौख्यवान् त्वं महासुखी ॥
 १२। त्वं महासन्तोषवान् त्वं महासन्तोषी ॥
 १३। त्वं महासंग्रामवान् त्वं महासंग्रामी ॥
 १४। त्वं महासङ्घर्षवान् त्वं महासङ्घर्षी ॥
 १५। त्वं महासह्यवान् त्वं महासह्यी ॥
 १६। त्वं महासहिष्णुवान् त्वं महासहिष्णुः ॥
 १७। त्वं महासहायवान् त्वं महासहायी ॥
 १८। त्वं महासहचरी त्वं महासहचरी ॥
 १९। त्वं महासहयोगी त्वं महासहयोगी ॥
 २०। त्वं महासहकारि त्वं महासहकारि ॥
 २१। त्वं महासहभागी त्वं महासहभागी ॥
 २२। त्वं महासहजान् त्वं महासहजान् ॥
 २३। त्वं महासहजानी त्वं महासहजानी ॥
 २४। त्वं महासहजाती त्वं महासहजाती ॥
 २५। त्वं महासहजातीय त्वं महासहजातीय ॥
 २६। त्वं महासहजातीयः त्वं महासहजातीयः ॥
 २७। त्वं महासहजातीयः त्वं महासहजातीयः ॥
 २८। त्वं महासहजातीयः त्वं महासहजातीयः ॥
 २९। त्वं महासहजातीयः त्वं महासहजातीयः ॥
 ३०। त्वं महासहजातीयः त्वं महासहजातीयः ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to the quality of the scan. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

[The following text is extremely faint and illegible due to severe fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुखाय नमः । त्वत्पुत्रोऽहमेव
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव
कौरवाश्चैव पाण्डवप्रपन्नान् । पाण्डुपुत्रोऽर्जुनस्य च । द्रुपद उवाच ॥
अथ युधिष्ठिर उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ अथ युधिष्ठिर उवाच ॥ अथ युधिष्ठिर उवाच ॥

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to be a multi-line manuscript or printed page.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्तुं शक्नुवान्मातरम्
 त्वत्पुत्रं कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनाम्
 द्रुपद उवाच
 त्वत्पुत्रं कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनाम्
 द्रुपद उवाच
 त्वत्पुत्रं कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनाम्

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the handwritten manuscript.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of names and titles in Devanagari script.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 द्रुपद उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सदा ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.)

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a single line of handwritten text.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a collection of Sanskrit or Hindi script arranged in several horizontal lines.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.)

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in multiple lines and columns, with some lines appearing to be headings or titles. The script is dense and characteristic of older Indian writing systems. The document is framed by a double-line border.

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality. It appears to be a single line of handwritten or printed text.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme contrast reduction. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

१५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

[Illegible text]

Figure 1

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible][illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

100



संज्ञासूत्रम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1. 2015년 5월 1일 일기: 14°C - 25°C 맑음

[illegible]

[illegible]

此等文字，皆係當時所撰，其間多有謬誤，如「
 此等文字，皆係當時所撰，其間多有謬誤，如「

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम्

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । १० । श्रीगणेशाय नमः । ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ २ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ४ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ५ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ६ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ७ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ८ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ ९ ॥ श्रीगणेशाय नमः । ॥ १० ॥ श्रीगणेशाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of names or titles arranged in rows.]

१००१
 १००२
 १००३
 १००४
 १००५
 १००६
 १००७
 १००८
 १००९
 १०१०

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णुभ्यो नमः ॥ श्रीदेवताभ्यो नमः ॥
 ॥ श्रीसूर्याय नमः ॥ श्रीचंद्राय नमः ॥ श्रीनक्षत्राभ्यो नमः ॥ श्रीपंचतंत्राय नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॥ श्रीजैनदेवाय नमः ॥ श्रीबौद्धदेवाय नमः ॥ श्रीमुस्लिमदेवाय नमः ॥ श्रीख्रिश्चियान् देवाय नमः ॥ श्रीसर्वदेवाय नमः ॥
 ॥ श्रीमानुष्याय नमः ॥ श्रीपशूनाय नमः ॥ श्रीपक्षीनाय नमः ॥ श्रीसर्पाय नमः ॥ श्रीमहात्मने नमः ॥ श्रीसर्वजगती नमः ॥
 ॥ श्रीसर्वलोकसेवे नमः ॥ श्रीसर्वदुःखनिवारणे नमः ॥ श्रीसर्वसुखदायिनी नमः ॥ श्रीसर्वविघ्नहारी नमः ॥
 ॥ श्रीसर्वपापप्रणाशिनी नमः ॥ श्रीसर्वकल्याणकरिणी नमः ॥ श्रीसर्वधर्मपालिकाय नमः ॥ श्रीसर्वज्ञानदायिनी नमः ॥
 ॥ श्रीसर्वसत्त्विके नमः ॥ श्रीसर्वसात्विके नमः ॥ श्रीसर्वसत्ये नमः ॥ श्रीसर्वअहिंसे नमः ॥ श्रीसर्वदयाय नमः ॥
 ॥ श्रीसर्वभक्त्यै नमः ॥ श्रीसर्वश्रद्धायै नमः ॥ श्रीसर्ववीर्ये नमः ॥ श्रीसर्वबल्यै नमः ॥ श्रीसर्वशक्तिाय नमः ॥
 ॥ श्रीसर्वशान्तये नमः ॥ श्रीसर्वसुखायै नमः ॥ श्रीसर्वसुखायै नमः ॥ श्रीसर्वसुखिन्यै नमः ॥ श्रीसर्वसुखिनीयै नमः ॥
 ॥ श्रीसर्वसुखिन्यै नमः ॥ श्रीसर्वसुखिन्यै नमः ॥ श्रीसर्वसुखिन्यै नमः ॥ श्रीसर्वसुखिन्यै नमः ॥ श्रीसर्वसुखिन्यै नमः ॥

॥ १७७ ॥
 ॥ १७८ ॥
 ॥ १७९ ॥
 ॥ १८० ॥
 ॥ १८१ ॥
 ॥ १८२ ॥
 ॥ १८३ ॥
 ॥ १८४ ॥
 ॥ १८५ ॥
 ॥ १८६ ॥
 ॥ १८७ ॥
 ॥ १८८ ॥
 ॥ १८९ ॥
 ॥ १९० ॥
 ॥ १९१ ॥
 ॥ १९२ ॥
 ॥ १९३ ॥
 ॥ १९४ ॥
 ॥ १९५ ॥
 ॥ १९६ ॥
 ॥ १९७ ॥
 ॥ १९८ ॥
 ॥ १९९ ॥
 ॥ २०० ॥

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of the historical record or manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

120

1900-1901

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संस्कृत-विश्वकोषादिकृतः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

